M.A Sem III
CC – 12

Topic – Aims & Objective of Education

M A Sem III
CC – 12

Learning & adjustment of Gifted Children

निर्धारित करें।

Q13 Who are special children? What are the characteristics of gifted children? Make a programme for their education.
विशिष्ट बालक किन्हें कहते हैं? प्रतिभाशाली बालकों की क्या विशेषताएँ हैं? इनकी शिक्षा के लिए एक कार्यक्रम निर्धारित करें।

M A Sem III
CC – 12

विशिष्ट (Special) या असाधारण (Exceptional) बालकों का तात्पर्य ऐसे बालकों से है जो शारीरिक या मानसिक शीलगुणों में सामान्य बालकों से भिन्न होते हैं। कभी-कभी यह भिन्नता दोनों प्रकार के शीलगुणों में पाई जाती है। Crow & Crow ने विशिष्ट बालकों की व्याख्या करते हुए लिखा है कि "असाधारण या असाधारण शब्द का प्रयोग उस शीलगुण या शीलगुण वाले व्यक्ति के लिए किया जाता है, जो सामान्य व्यक्ति के शीलगुण से इस सीमा तक विचलित होता है कि उसके साथियों को उसकी ओर विशेष ध्यान देना पड़ता है और इससे उसके व्यवहार तथा कार्य प्रभावित होते हैं।"

"The term typical or exceptional is applied to a trait or to a person possessing the trait if the extent of deviation from normal possession of the trait is so great that because of it the individual warrants or receives special attention from his fellows and his behaviour responses and activities are thereby affected."

इस परिभाषा से विशिष्ट बालकों के संबंध में दो बातों का पता चलता है। (i) विशिष्ट प्रकार के बालक सामान्य बालकों से मानसिक या शारीरिक या दोनों शीलगुणों में भिन्न होते हैं।

(४) विचलन इस सीमा तक होता है कि उसकी ओर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

(ग) इनके परिणामस्वरूप ऐसे बालकों के व्यवहारों तथा क्रियायें प्रभावित होते हैं।

स्पष्ट है अन्धे, बहरे, गूँगे आदि बालक शारीरिक शीलगुणों में सामान्य बालकों से विचलित होने के कारण विशिष्ट बालकों की श्रेणी में आते है। इसी तरह प्रतिभाशाली (Gifted) तथा मानसिक दुर्बल बच्चे मानसिक शीलगुणों में सामान्य बालकों से भिन्न होने के कारण विशिष्ट या असाधारण कहलाते है। इसी प्रकार अन्धे या बहरे प्रतिभाशाली या मानसिक दुर्बल बालक शारीरिक तथा मानसिक दोनों शीलगुणों से सामान्य बालकों से भिन्न होने के कारण असाधारण या विशिष्ट बालकों की श्रेणी में आते हैं। अतः "विशिष्ट या असाधारण बालकों का तात्पर्य ऐसे बालकों से है जो शारीरिक अथवा मानसिक शीलगुणों में सामान्य बालकों से मान्य सीमा तक विचलित होते है।"

"By special or exceptional children we mean those who are deviated from the normal in physical or mental traits to a considerable extent."

विशिष्ट बालकों के प्रकार (Types of Special Children)

विशिष्ट बालकों को कई आधार पर विभिन्न वर्गों में रखा जाता है—

बुद्धि स्तर के आधार पर— (On the level of intelligence)

(1) प्रतिभाशाली बच्चें (Gifted children)

(2) मन्द बुद्धि बच्चें (Mentally retarded children)

सुविधाओं से वंचन के आधार पर —
(On the basis of deprivation from opportunities)

(1) सामाजिक- सांस्कृतिक- आर्थिक स्तर पर वंचित बच्चें या अलाभान्वित बच्चें। (Socially - culturally - Economically deprived children or disadvantaged children)

(2) शारीरिक स्तर पर विकलांग बच्चें (Physically handicapped children)

[illegible] कुछ मनोवैज्ञानिकों ने शीलगुणों के आधार पर [illegible]
(1) विशिष्ट बच्चों को [illegible] श्रेणियों में रखा है —
(On the basis of traits) —

(1) पिछड़े बच्चे (Backward Children)

(2) समस्या बच्चे (Problem children)

(3) बाल अपराधी बच्चे (Delinquent children)

प्रतिभाशाली बच्चे (Academically Gifted children)

साधारणत: ऐसे बालक को प्रतिभाशाली कहा जाता है जिसकी बुद्धि औसत बालकों की तुलना में अधिक तीव्र होती है। परन्तु, प्रश्न यह है कि ऐसे बालक की बुद्धि कितनी तीव्र होती है? उसकी बुद्धि-लब्धि (I.Q) कितनी होती है? इन प्रश्नों के सम्बन्ध में विद्वानों के बीच मतभेद है। Terman & Merrill (टरमन मेरिल) के अनुसार 140 या इससे अधिक बुद्धि-लब्धि वाले बालक को ही प्रतिभाशाली कहते हैं। Goddard (गोडर्ड) के अनुसार 130 या इससे अधिक बुद्धि-लब्धि वाले बालक प्रतिभाशाली कहे जाते हैं। इसी तरह Hollingworth (हॉलिंगवर्थ) ने प्रतिभाशाली बालकों की न्यून सीमा (lower limit) 120 बुद्धि लब्धि बतलाई है। लेकिन, अधिकांश मनोवैज्ञानिक Terman & Merrill के विचार से ही सहमत हैं।

आधुनिक विद्वानों के अनुसार प्रतिभाशाली शब्द से न केवल मानसिक श्रेष्ठता (Superiority) का बोध होता है बल्कि शारीरिक, सामाजिक, नैतिक तथा संवेगात्मक श्रेष्ठता का भी परिचय मिलता है। इसीलिए, Kolesnik (कोलेस्निक) ने इस शब्द का प्रयोग बड़े ही व्यापक अर्थ में किया है। उनके अनुसार — "प्रतिभाशाली शब्द का प्रयोग उस बालक के लिए किया जाता है जो अपने आयु-स्तर के बालकों से किसी योग्यता में श्रेष्ठ हो और जो हमारे समाज के कल्याण में विशिष्ट रूप से सहायक हो।"

"The term gifted has been applied to every child who in his age group, is superior in some ability which may make him an outstanding contributor to the welfare of quality of living in our society."

Kolesnik.

प्रतिभाशाली बालकों की विशेषताएँ (Characteristics of Gifted Children) :—

प्रतिभाशाली बालकों की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :

(1) मानसिक विशेषता (Mental traits) :

प्रतिभाशाली बालकों की एक प्रमुख विशेषता यह है कि सामान्य या औसत बालकों की अपेक्षा उनकी मानसिक योग्यता कहीं अधिक होती है। इस संबंध में किए गए अध्ययनों के आधार पर प्रतिभाशाली बालकों की बुद्धि लब्धि 140 से अधिक मानी जाती है। एक सामान्य बालक की बुद्धि लब्धि की उच्चतम सीमा (upper limit) 109 है और एक प्रतिभाशाली बालक की बुद्धि लब्धि की न्यूनतम सीमा 104 है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि प्रतिभाशाली बालक की बुद्धि सामान्य बालकों की अपेक्षा कहीं अधिक है।

(2) शारीरिक विशेषता (Physical traits)

प्रतिभाशाली बालक सामान्य बालकों की अपेक्षा लम्बे तथा भारी वजन के होते हैं। जन्म के समय ही ये औसत बच्चों से 1 पौंड भारी तथा 1½ इंच लम्बे होते हैं। समाज में एक लम्बे समय तक यह धारणा बनी रही कि प्रतिभाशाली बालक शारीरिक दृष्टि से पिछड़े होते हैं। इस संदर्भ में कुछ विद्वानों का उदाहरण [illegible] जाता है। जैसे — नेपोलियन (प्रसिद्ध [illegible]) [illegible] था, डेमोस्थनीज (प्रसिद्ध वक्ता) [illegible] था, सुकरात (प्रसिद्ध विद्वान) बहुत कुरूप थे और [illegible] (प्रसिद्ध [illegible]) [illegible] था। लेकिन यह धारणा अब गलत सिद्ध हो चुकी है।

(3) सामाजिक एवं आर्थिक स्तर (Socio economic level)

प्रतिभाशाली बालक प्रायः उच्च [illegible] [illegible] औसत जनसंख्या की अपेक्षा अधिक बुद्धिमान [illegible]

[illegible]

(5)

परिपक्वता (maturity) अधिक पाई जाती है। शिक्षण, खेल कूद, शौक (Hobbies) आदि क्षेत्रों में वे श्रेष्ठ (Superior) होते हैं। इन में नेतृत्व (Leadership) का गुण भी पाया जाता है।

5. सीखना एवं शिक्षा (Learning & education) —

प्रतिभाशाली बालकों में उस उम्र के बालकों की अपेक्षा सीखने की योग्यता अधिक होती है। वे तीन माह पहले बोलना शुरू करते हैं तथा 2 माह पहले चलना सीख लेते हैं। इनका शब्दभंडार (Vocabulary) अपेक्षाकृत बड़ा होता है। लगभग 50% ऐसे बालक स्कूल में प्रवेश पाने के पूर्व ही पढ़ना सीख जाते हैं। इनकी अभिरुचि अमूर्त विषयों (Abstract subjects) में अधिक होती है। वे अपनी सूझ एवं अपने पूर्वानुभवों (Past experiences) से लाभ उठाने में दक्ष होते हैं। मात्र संकेत से ही वे बहुत कुछ समझ जाते हैं। अतः ऐसे बालकों को शिक्षित करने में शिक्षकों को माथापच्ची नहीं करनी पड़ती है।

6. प्रतिज्ञा पालन (Fulfilment of promise) —

प्रतिभाशाली बालकों की एक विशेषता यह भी है कि वे अपने बचपन के लक्षणों को युवावस्था (Adulthood) में भी कायम रखते हैं। आयुवृद्धि के साथ इनकी योग्यताओं (Abilities) में ह्रास या कमी नहीं होती बल्कि एक खास अनुपात (Ratio) में वे बढ़ती रहती हैं। Terman ने कालीफोर्नियाँ विश्वविद्यालय के छात्रों तथा छात्राओं का अध्ययन करके यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि प्रतिभाशाली बालकों तथा समान आयु के औसत बालकों की योग्यताओं का अनुपात युवावस्था में भी लगभग समान रहता है।

7. अन्य विशेषताएँ (Other characteristics) —

Terman के अनुसार प्रतिभाशाली बालकों में मौलिकता (Originality), आनन्दवृत्ति (Pleasing wit), सामान्यीकरण (Generalization) की क्षमता, धैर्य (Perseverance) आदि गुण पाए जाते हैं।

इसी तरह L.A. Averill ने प्रतिभाशाली बालकों की ~~[illegible]~~ प्रेरित विशेषताओं की चर्चा निम्न प्रकार से की है —

(i) मानसिक क्रियाओं में शीघ्रता (Quickness)
(ii) अमूर्त विषय की ओर झुकाव।
(iii) उच्च एवं विकसित शब्दभंडार।
(iv) उच्च सामान्य ज्ञान।

(i) उज्ज्वल सूझ (Brilliant insight) का आकस्मिक परिचय।
(ii) अवकाश में नीरसता का अनुभव।
(iii) भावनों पर उच्च प्रभाव।
(iv) उदासीनता (Indifference) की बदलती हुई चित्तवृत्ति (moods)।

Hill महोदय ने प्रतिभाशाली बालकों पर प्रयोगात्मक अध्ययन किया। इन्होंने अपने अध्ययनों के आधार पर निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया —

(i) एकाग्रता (Concentration) की अत्यधिक क्षमता।
(ii) मौलिकता।
(iii) सामान्यीकरण की अत्यधिक क्षमता।
(iv) अमूर्त विषयों में अभिरुचि।
(v) अल्प प्रतिक्रिया-काल (reaction time)
(vi) समीकरण (Assimilation) तथा विषयों को समझने की अत्यधिक योग्यता।
(vii) आत्म मूल्यांकन (Self-evaluation) की योग्यता।

इस प्रकार प्रतिभाशाली बालकों की कई विशेषताएँ हैं जिनके आधार पर इन्हें हम औसत तथा मानसिक दुर्बल बालकों से अलग कर सकते हैं।